समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

बिटकॉइन, बाइनेंस, पाई नेटवर्क पर बैन की अफवाहे खंत्म, सरकार ने दी साफ-साफ जानकारी

Publisher

Published on 07 Oct 2025

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर भारत में समय-समय पर कई अफवाहें सामने आती रहती हैं। हाल ही में बिटकॉइन, बाइनेंस और पाई नेटवर्क समेत अन्य क्रिप्टोकरेंसी पर **बैन लगने की चर्चा** तेज हो गई थी। इसको लेकर निवेशक और आम लोग काफी चिंतित थे। लेकिन अब **सरकार ने स्पष्ट कर दिया है** कि ये अफवाहें सच नहीं हैं और किसी भी क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने का निर्णय फिलहाल नहीं लिया गया है।

वित्त मंत्रालय और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने हाल ही में इस मामले पर **सार्वजनिक बयान** जारी किया है। अधिकारियों ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने की अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। सरकार का उद्देश्य डिजिटल करेंसी और क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल को नियंत्रित करना है, न कि इसे पूरी तरह रोकना।

सरकार ने यह भी बताया कि क्रिप्टोकरेंसी पर ज्यादा टैक्स लगाने का कारण इसे **सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से इस्तेमाल** करने को बढ़ावा देना है। इससे निवेशकों और आम लोगों को भी फायदा मिलेगा और टैक्स चोरी या अवैध लेन-देन की संभावना कम होगी। क्रिप्टोकरेंसी पर 30% टैक्स और 1% टीडीएस जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य निवेश को ट्रैक करना और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

भारत में डिजिटल करेंसी और क्रिप्टोकरेंसी को लेकर नीति स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है। सरकार ने बताया कि **CBDC (Central Bank Digital Currency)** पर काम जारी है, जो जल्द ही देश में लागू होगी। इसका उद्देश्य पारंपरिक मुद्रा और डिजिटल लेन-देन के बीच संतुलन बनाए रखना है। इस डिजिटल करेंसी के जरिए लेन-देन सुरक्षित, तेज और पारदर्शी होगा।

क्रिप्टोकरेंसी के मामले में भारत सरकार का दृष्टिकोण यह है कि इसका उपयोग **निवेश और तकनीकी नवाचार** के लिए किया जा

सकता है, लेकिन इसके जोखिमों और घोटालों से बचाव के लिए **स्पष्ट नियम और टैक्स व्यवस्था** लागू करनी होगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि बिटकॉइन, बाइनेंस, पाई नेटवर्क जैसी क्रिप्टोकरेंसी पर केवल निवेश और ट्रेडिंग के लिए नियम बनाए गए हैं, और इसके दुरुपयोग पर निगरानी रखी जाएगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार का यह कदम निवेशकों के लिए राहत की खबर है। कई लोगों ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है और उन्हें डर था कि अचानक बैन लगने से उनका पैसा अटक सकता है। सरकार की घोषणा से यह डर कम हुआ है और निवेशक अब सुरक्षित तरीके से अपने निवेश को आगे बढ़ा सकते हैं।

सरकार ने यह भी बताया कि डिजिटल करेंसी और क्रिप्टोकरेंसी के **वित्तीय लाभ और जोखिम** को समझना जरूरी है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे केवल भरोसेमंद प्लेटफॉर्म्स और पंजीकृत एक्सचेंज के जरिए ही निवेश करें। इससे धोखाधड़ी और नुकसान की संभावना कम होगी।

क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल करेंसी को लेकर भारत सरकार का दृष्टिकोण **नियंत्रित लेकिन विकासोन्मुख** है। सरकार निवेशकों की सुरक्षा, पारदर्शिता और आर्थिक स्थिरता के लिए नियमों को लागू कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल करेंसी के माध्यम से आर्थिक लेन-देन को तेज और सुरक्षित बनाना भी सरकार की प्राथमिकता है।

कुल मिलाकर, बिटकॉइन, बाइनेंस, पाई नेटवर्क और अन्य क्रिप्टोकरेंसी पर **बैन लगाने की अफवाहे पूंरी तरह खारिज** कर दी गई हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि क्रिप्टोकरेंसी को नियंत्रित और सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल किया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल करेंसी और टैक्स व्यवस्था को लेकर निवेशकों और आम लोगों को पूरी जानकारी भी दी गई है।

अब निवेशक यह समझ सकते हैं कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी का भविष्य **सुरक्षित और विकसित** है। नियम और टैक्स की व्यवस्था इसे कानूनी और पारदर्शी बनाए रखने का प्रयास है। इसलिए बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें **सावधानी और समझदारी** के साथ निवेश करना चाहिए।

सरकार की इस स्पष्टता के साथ निवेशक और आम लोग दोनों ही अब **क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल करेंसी** के संभावित लाभ और उपयोग को समझ सकते हैं। यह घोषणा भारत के डिजिटल वित्तीय भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.